अक्टूबर, 2015 के दौरान कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, आफरी द्वारा संपन्न गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा

दिनांक 19 अक्टूबर, 2015

जल की कमी वाले क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं पौधशाला तकनीक के लिए अध्ययन भ्रमण पर आये सामाजिक वानिकी वृत पुणे महाराष्ट्र के दो क्षेत्रीय वन अधिकारियों श्री एस.ऐ. करात एवं श्री के.डी. पंवार ने दिनांक 19.10.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने इन्हें प्रस्तुतीकरण के द्वारा संस्थान एवं यहाँ पर संचालित शोध गतिविधियों एवं विकसित तकनीकों की जानकारी दी । इन अधिकारियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया । शुष्क एवं अर्धशुष्क क्षेत्रों के लिए उचित वानिकी तकनीक की जानकारी के लिए इन अधिकारियों ने संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों डॉ. जी.सिंह एवं श्री एन. बाला से विचार विमर्श किया । डॉ. जी.सिंह ने इन अधिकारियों से उनके क्षेत्र में पनपने वाली वृक्ष प्रजातियों, जल संरक्षण तकनीकों, रिंग पिट जैसे वृक्षारोपण तकनीकों आदि पर विचार-विमर्श किया । श्री एन. बाला ने जल प्लावित भूमियों के पुनःस्थापन हेतु उचित प्रजातियों, पौधों में सिंचाई एवं इसकी बारम्बारता के बारे में जानकारी दी ।

तत्पश्चात् इन अधिकारियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित सामग्री एवं सूचनाओं का अवलोकन किया । श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने यहाँ पर प्रदर्शित विभिन्न तकनीकों एवं सूचनाओं से इन अधिकारियों को अवगत कराया ।

इसके बाद इन अधिकारियों ने संस्थान की प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण कर पौधशाला तकनीक की विस्तृत जानकारी ली । श्री सादुलराम देवड़ा, अनुसंधान सहायक पौधशाला प्रभारी ने इन्हें विभिन्न पौधशाला तकनीकों की जानकारी दी ।

WATER LEVEL ACROSS BUNDS
BUND PLANTING
NUTS FROM PLANTS

खनिजोत : भविष्य

दिनांक 31 अक्टूबर, 2015

भारतीय आर्थिक सेवा 2014 बेच के चार प्रशिक्षु अधिकारियों ने दिनांक 31.10.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने प्रशिक्षु अधिकारियों का संस्थान में स्वागत करते हुए संस्थान एवं यहाँ संचालित शोध गतिविधियों की जानकारी प्रदान की । श्री चौधरी ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान में किये गये विभिन्न शोध कार्यो, तकनीकों इत्यादि के बारे में विवरण प्रस्तुत किया । प्रशिक्षु अधिकारियों ने वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन प्रभाग की उत्तक संवर्धन प्रयोगशाला में ऊतक संवर्धन तकनीक का भी अवलोकन किया ।

इसके बाद प्रशिक्षु अधिकारियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केन्द्र का भ्रमण किया जहाँ श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने अवक्रमित पहाड़ियों के पुनर्स्थापन, टिब्बा स्थिरीकरण गतिविधि, जल प्लावन से समस्या ग्रस्त भूमि के पुर्नस्थापन तथा कृषि वानिकी सहित अन्य जानकारी प्रशिक्षु अधिकारियों को दी । प्रशिक्षु अधिकारियों ने वहाँ पर प्रदर्शित सामग्री एवं सूचनाओं का अवलोकन भी किया ।

AREA THROUGH BIODRAINAGE
DOMINANT FOREST